American Cancer Society®
Every cancer. Every life.®

कैंसर उपचार के लिए क्लिनिकल परीक्षण

क्लिनिकल परीक्षण शोध अध्ययन हैं जो उन लोगों के साथ नई दवाओं और उपचारों का परीक्षण करते हैं जो भाग लेना चुनते हैं। क्लिनिकल परीक्षण बीमारियों को रोकने, खोजने और उनका इलाज करने के नए और बेहतर तरीके खोजने में मदद करते हैं। कैंसर क्लिनिकल परीक्षण वैज्ञानिकों और डॉक्टरों को यह जानने में मदद करते हैं कि क्या नया उपचार कैंसर से पीड़ित लोगों के लिए सुरक्षित और प्रभावी है। आज इस्तेमाल किए जाने वाले कैंसर उपचारों का परीक्षण सबसे पहले क्लिनिकल परीक्षणों में किया गया था।

क्लिनिकल परीक्षण कैसे किये जाते हैं?

क्लिनिकल परीक्षण चरण 1 से 4 तक चरणों में किए जाते हैं। प्रत्येक चरण में उपचार की सुरक्षा और यह कितनी अच्छी तरह काम करता है, इस बारे में जानकारी एकत्र की जाती है।

कैंसर क्लिनिकल ट्रायल में शामिल होने के लिए सहमत होने वाले अधिकांश लोग चरण 3 परीक्षण में भाग लेंगे। चरण 3 परीक्षण में नए उपचार की तुलना मानक उपचार (एक निश्चित प्रकार के कैंसर के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला उपचार) से की जाती है। यदि नया उपचार बेहतर काम करता है, तो यह अक्सर मानक बन जाता है।

क्लिनिकल ट्रायल में शामिल लोगों की देखभाल करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम होती है। यह टीम ट्रायल में शामिल लोगों पर बारीकी से नज़र रखती है कि वे कै सा प्रदर्शन कर रहे हैं। इसमें मानक उपचार की तुलना में ज़्यादा क्लिनिक विज़िट और लैब टेस्ट शामिल हो सकते हैं।

क्लिनिकल परीक्षण में शामिल होने के जोखिम और लाभ

क्लिनिकल ट्रायल में शामिल होने के कुछ जोखिम हैं। शोधकर्ताओं को हमेशा यह पता नहीं होता कि नया उपचार काम करेगा या नहीं या इसके क्या-क्या दुष्प्रभाव हो सकते हैं। ज़्यादातर दुष्प्रभाव समय के साथ चले जाते हैं, लेकिन कुछ लंबे समय तक रह सकते हैं। कुछ दुष्प्रभाव गंभीर भी हो सकते हैं। क्लिनिकल ट्रायल में शामिल होने के लिए सहमत होने से पहले आपको किसी भी ज्ञात जोखिम के बारे में बताया जाएगा।

इसके कुछ फ़ायदे भी हो सकते हैं। क्लिनिकल ट्रायल में शामिल होने से आपको ज़्यादा उपचार विकल्प मिलते हैं। आपको एक नया उपचार मिल सकता है जो आपको अन्यथा नहीं मिल सकता। यह उपचार मानक उपचार से ज़्यादा सुरक्षित या बेहतर काम कर सकता है। कुछ लोगों को यह जानना भी अच्छा लगता है कि क्लिनिकल ट्रायल से जो सीखा गया है, वह भविष्य में दूसरों की मदद कर सकता है।

क्लिनिकल परीक्षण में शामिल होने का निर्णय लेना

क्लिनिकल ट्रायल में शामिल होने का फैसला करने से पहले, उपचार के बारे में जितना हो सके उतना पता लगाएँ और आपको उसमे क्या करना होगा। शोध डॉक्टर या नर्स आपको बताएंगे कि क्या उम्मीद करनी चाहिये और क्लिनिकल ट्रायल में शामिल होने के जोखिमों और लाभों के बारे में आपसे बात करेंगे।

वे आपको समीक्षा करने के लिए सामग्री भी देंगे। आपको अपनी पसंदीदा भाषा में ये सामग्री प्राप्त करने का अधिकार है।

आप निर्णय लेने से पहले अपने विश्वसनीय परिवार के सदस्यों और मित्रों से बात करना चाह सकते हैं। सुनिश्चित करें कि शोध डॉक्टर या नर्स आपके या आपके प्रियजनों के किसी भी प्रश्न का उत्तर दें।

यदि आप क्लिनिकल ट्रायल में शामिल होने के लिए सहमत हैं, तो आपको पढ़ने और हस्ताक्षर करने के लिए एक लिखित सहमति पत्र दिया जाएगा। सुनिश्चित करें कि आपको दी गई जानकारी समझ में आ गई है। अगर कुछ स्पष्ट नहीं है या आपको कोई चिंता है, तो सवाल पूछने से न डरें।

यह आपकी पसंद है कि आप क्लिनिकल ट्रायल में शामिल होना- रहना- चाहते हैं या नहीं। आप किसी भी समय किसी भी कारण से ट्रायल छोड़ने का विकल्प चुन सकते हैं, और फिर भी आपको वह देखभाल मिलेगी जो आपको तब मिलती अगर आपने क्लिनिकल ट्रायल में शामिल होने का विकल्प नहीं चुना होता।

पूछे जाने वाले प्रश्न

क्लिनिकल ट्रायल में शामिल होने से पहले आप कई बातें जानना चाह सकते हैं। आप रिसर्च डॉक्टर या नर्स से पूछ सकते हैं:

- यह अध्ययन क्यों किया जा रहा है?
- मैं कितने समय तक क्लिनिकल परीक्षण में रहूँगा?
- मुझे कितनी बार खुद को दिखने की आवश्यकता होगी?
- मुझे इलाज और परीक्षण के लिए कहां जाना होगा?
- इस उपचार से मुझे क्या दुष्प्रभाव हो सकते हैं? उनका प्रबंधन कैसे किया जाएगा?
- अगर मुझे कोई समस्या हो तो मैं किसे फोन करूँ?
- क्या मुझे किसी चीज़ के लिए भुगतान करना होगा?
- कैंसर के उपचार के लिए मेरे पास अन्य विकल्प क्या हैं?
- यदि मैं क्लिनिकल परीक्षण में शामिल न होने का निर्णय लेता हूं तो क्या होगा?
- यदि मैं क्लिनिकल परीक्षण में शामिल होने के लिए सहमत हो जाऊं और फिर अपना मन बदल लूं तो क्या होगा?

क्लिनिकल ट्रायल में आपको जिस तरह का उपचार दिया जा रहा है, उसके आधार पर आपके मन में अन्य सवाल भी हो सकते हैं। जिस भी क्लिनिकल ट्रायल में आपकी रुचि हो, उसके बारे में जितना हो सके उतनी जानकारी लें ताकि आप अपने लिए सबसे अच्छा विकल्प चुन सकें।

शब्दकोष

सूचित सहमति: जब कोई व्यक्ति और उसका स्वास्थ्य सेवा प्रदाता जानकारी साझा करते हैं ताकि व्यक्ति यह तय कर सके कि उसे कोई विशेष देखभाल, उपचार या सेवाएँ चाहिए या नहीं। किसी व्यक्ति के क्लिनिकल परीक्षण में जाने से पहले इसकी आवश्यकता होती है।

चरण 1: नए उपचार की सुरक्षा के लिए जांच की जाती है और यह पता लगाया जाता है कि कौन सी खुराक गंभीर दुष्प्रभावों के बिना सबसे अच्छा काम करती है।

चरण 2: नए उपचार का परीक्षण यह देखने के लिए किया जाता है कि क्या यह कुछ प्रकार के कैंसर के विरुद्ध कारगर है।

चरण 3: नए उपचार की तुलना मानक उपचार से की जाती है ताकि यह देखा जा सके कि कौन सा उपचार कुछ कैंसर के लिए बेहतर काम कर सकता है। इस क्षण पर, शोधकर्ताओं को यह नहीं पता होता है कि कौन सा उपचार बेहतर है। इसलिए, नैदानिक परीक्षण में लगभग आधे लोगों को नया उपचार मिलता है और बाकी आधे को मानक उपचार मिलता है। इसे अक्सर यादृच्छिक रूप से चुना जाता है (जिसे यादृच्छिक कहा जाता है)।

चरण 4: नए उपचार का अध्ययन लंबे समय तक पढ़ा जाता है ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित है या नहीं और यह कितना कारगर है। यह चरण तब होता है जब नए उपचार को कुछ खास तरह के कैंसर में इस्तेमाल के लिए मंजूरी मिल जाती है।

मानक उपचार: एक निश्चित प्रकार के कैंसर के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला उपचार।

अधिक जानकारी और उत्तरों के लिए, अमेरिकन कैंसर सोसाइटी की वेबसाइट **cancer.org/hindi** पर जाएँ या हमें **1-800-227-2345** पर कॉल करें। जब भी आपको हमारी ज़रूरत हो, हम आपकी मदद के लिए मौजूद हैं।

©2025, American Cancer Society, Inc.
No. HIN084606 Rev. 4/25

BBB ACCREDITED CHARITY
bbb.org/charity